Clearance to Pipavav Gas Project in Gujarat

*24. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:†
SHRI SOM PAL:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether the Pipavav Gas Project to be set up in Gujarat has been given final clearance by the Central Government;

(b) if not, what are the reasons therefor and what is the present stage of consideration;

(c) what is the estimated cost of the project and per day availability of gas; and

(d) whether it is a fact that power house construction in Saurashtra is connected with the final clearance of this Project?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): (a) No, Sir.

(b) The clearance of the Project would depend on the availability of resources for the oil sector in the Eighth Five Year Plan.

(c) The preliminary estimated cost of the Project is Rs. 800 crores. The Institute of Reservoir Studies of ONGC is restudying the technological scheme for the project based on which the Feasibility Report is yet to be prepared.

(d) Yes, Sir.

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: I am a little confused at the answer given to me. Whenever the Gujarat Chief Minister comes to Ahmedabad after meeting the Petroleum Minister or someone connected with the planning, he always makes an announcement that this particular Pipavav project has been cleared. Now for the first time—this is shocking to me—that you have said that this project is not yet cleared. All right; your answer is the final answer. Now, the question is, gas worth hundreds of crores of rupees is being burnt at that particular site where the Pipavav project is to come up. Now when the gas worth hundreds of crores of rupees is being burnt, why don't you give some urgency to this project and put it on a priority basis? You have said that when resources would be found during the Eight Five Year Plan, you would give clearance to the Pipavav Gas Project. There is a pipeline to be taken from the sea to Pipavav. That is the only point and the cost of the project is Rs. 800 crores. But you are burning gas worth more than Rs. 800 crores per year. And you do not give priority to this project! It is a national waste. All this is because of delay in giving clearance to this project. I would like to have an answer from the hon. Minister.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, मैंने शुरू में ही निवेदन किया कि इस योजना के संबंध में... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : उनका प्रश्न सीधा है। वह पूछ रहे हैं कि फ्लेअर-अप आप जितनी कर रहे हैं वह कितनी है ; उसका क्या कोस्ट है, गैस जलने से देश हर साल कितना लूज कर रहा है? वह उनका प्रश्न है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, जहां तक वास्तविक आंकड़े का प्रश्न है, इस समय मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं। माननीय सदस्य को सूचना बाद में दे देंगे।

श्री सभापति : जो इतनी गैस जल

†The Question was actually asked on the floor of the House by Shri Chimanbhai Mehta.

रही है उसका कोई एस्टीमेट, कुछ अंदाज भी नहीं है ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : इस वक्त उपलब्ध नहीं है ।

एक माननीय सदस्य : बता दें कि कब से गैस जल रही है ? अभी से जल रही है या साल भर पहले से जल रही है ? यह बता सकेंगे आप ?

श्री सभापति : जब से पैट्रोलियम निकला उसके साथ जो एसोशिएट गैसेज उपलब्ध करनी पड़ती है। ... (**व्यवधान**) उनके पास अभी नहीं है।

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Let him provide the information to me later and also to the House. This is an assurance to the House.

The second question is, the Government does not have the resources. Gujarat Government has often issued a public statement, and they have come up with a proposal also. This is very much connected with the people's sentiment. Clearance of this project is connected with 2400 MW electric power station. Therefore it is a very vital project for us. Now, there is a outcry, that if the Government is not able to find Rs. 800 crores, as is the **preliminary estimate for this project,** then the people of Gujarat are prepared to contribute. You may even have a joint sector for this project or you let the people of Gujarat contribute towards the cost of this project or you have a private sector which would be prepared to undertake the project. Are you prepared to consider this proposal? This is my specific question. If you cannot find resources, then these are the alternatives suggested by me. I would like to have the answer from the hon. Minister.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, मूल प्रश्न के उत्तर में मैं पहले ही कह चुका हूं कि जो आर्थिक स्रोत है उस पर इस योजना की स्वीकृति निर्भर करती है।

श्री सभापति : वह कह रहे हैं कि अगर प्राइवेट सैक्टर आठ सौ करोड़ रुपये लगा दे तो क्या आप तैयार हैं ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : इस सुझाव पर विचार किया जायेगा।

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: You say you do not have the resources. In that case I have given you so many alternatives. Give it to private sector, have a joint sector to undertake this project, or let the people contribute. You are prepared to burn the gas. The point is, why are you adopting a 'dog in the manger' policy? Neither you are able to do it, nor are you allowing the others to do it. The whole thing is wasted. It is burnt. **Therefore I asked the question.** I am not favouring the private sector or any other sector. But the point is, it is going waste. If you can be a little **more specific I will be happy. The** people of Gujarat will be happy. That is all.

SHRI T. R. BALU: Sir, he is not answering the question. (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, you must say something.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: Sir, I have already said that the Ministry will look into the suggestion of the hon. Member.

श्री सोमपाल : सभापति महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि बहुत भारी मात्रा में जो प्राकृतिक गैस हमारे देश में व्यर्थ जा रही है और जल रही है उसमें से कितनी गैस का उपयोग 8वीं पंचवर्षीय योजना में अतिरिक्त विद्युत उत्पादन के लिए किया जाना है और उसके लिए कितनी परियोजनाएं किस-किस प्रदेश में स्थापित करने की योजना है और वह कब तक पूरी हो सकेंगी ? इस जल जाने वाली गैस की क्या मात्रा है और इसकी लागत कितनी है ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, यह प्रश्न तो नया है, इसके लिए मुझे समय चाहिए।

SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Sir, according to information, about 14 million cubic metres of gas is being burnt in Bombay High. It is worth Rs. 600—700 crores. Under these circumstances, I would like to know whether the Minister is prepared to assure? Pipavav needs 7 million cubic metres of gas. Is the Minister prepared to assure the House that the gas which is being burnt will be supplied for the Pipavav project?

SHRI SOM PAL: I think the hon. Member is better-equipped than the hon. Minister, in this respect.

श्री सभापति: उन्होंने बताया कि इतनी गैस जल रही है। आप देख लीजिए। उतनी जल रही या कम जल रही है, बता दीजिए।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मैं उसी पर आ रहा हूं कि जो जानकारी माननीय सदस्य ने दी है, उसे मैं देख लूंगा कि वह सही है या नहीं।

श्री सभापति : और सही है तो आप उस पर विचार करेंगे।

श्री माधव सिंह सोलंकी : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि पीपावाव पावर स्टेशन के लिए गैस कहां से दी जाने वाली है ? बम्बई हाई से दी जाएगी या गांधार से दी जाएगी या ताप्ती हाई से दी जाएगी ? क्या मंत्री जी यह भी बताएंगे कि इस पावर स्टेशन की क्षमता कितनी होगी 600 मैगावाट या 700 मैगावाट या 650 मैगावाट ? इस बारे में क्या कन्सीडरेशन हो रहा है ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : इस प्रोजेक्ट को इक्सलूड करने की बात गुजरात पावर कारपोरेशन से है। लेकिन प्रश्न यह है कि यह प्रोजेक्ट अभी एप्रूव्ड नहीं है।

श्री सभापति : ये यह पूछ रहे है कि इसके लिए गैस बम्बई हाई से आएगी या और किसी जगह से आएगी ? जो आपने बताया कि इतना खर्चा आएगा, यह तो इसी बात पर निर्भर करेगा कि गैस कहां से आएगी।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : अभी जो पाइपलाइन है, उसकी जो क्षमता है, उसे एक्जामिन किया जा रहा है। सारी चीजों के फाइनल होने के बाद ही निर्णय होगा।

श्री माधव सिंह सोलंकी : माननीय अध्यक्ष जी, पाइपलाइन तो बाद में आएगी, पहले तो सोर्स बताइए कि गैस कहां से आने वाली है—बम्बई हाई से या गांधार से या ताप्ती हाई से ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : इसमें तो यह तय हुआ था कि जो ताप्ती के सौराष्ट्र कोस्ट है, उसका इस्तेमाल इसके लिए किया जाएगा।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let the Minister come prepared. Let us postpone the question. Let him consult his officials.

SHRI T. R. BALU: He has not done his home-work properly.

SHRI S. JAIPAL REDDY: He is not answering any question.

श्री अनन्त शंकर दवे : महोदय, माननीय मंत्री जी ने कोई भी जवाब सही नहीं दिया है। अभी तक जितने सवाल पूछे गए हैं उनमें से एक का भी जवाब मंत्री जी ने सही नहीं दिया है। मैं इतना ही जानना चाहूंगा कि गुजरात में कितनी जगहों पर गैस जल रही है और सौराष्ट्र से वह कितना नजदीक है ?

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.